



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 18, 2004/श्रावण 27, 1926

No. 180]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 18, 2004/SRAVANA 27, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 2004

अन्तिम जांच परिणाम

विषय :—कोरिया मणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेथिलीन क्लोराइड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/52/2002/डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995, को ध्यान में रखते हुए:

## क. प्रक्रिया:

- आरंभिक निष्कर्षों के बाद नीचे निर्धारित पद्धति का पालन किया गया है :-
  - निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका और सिंगापुर मूल के अथवा वहां से निर्यातित मेथिलीन क्लोराइड के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच संबंधी अधिसूचना, तारीख 24.12.2002 द्वारा आरंभिक निष्कर्ष अधिसूचित किये और हितबद्ध पार्टियों से अपने विचार लिखित रूप में, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर देने के लिए कहा;
  - प्राधिकारी ने आरंभिक निष्कर्षों की एक प्रति उन ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को भेजी जिनसे आरंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार यदि कोई हो, पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर देने का अनुरोध किया गया था;

- (ग) प्राधिकारी ने, सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर 9.7.2003 को दिया था। अपने विचार मौखिक रूप से देने वाली सभी पार्टियों से, मौखिक रूप से दिए गए अपने विचारों को लिखित रूप में देने का अनुरोध किया गया। पार्टियों से, विपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किये गए विचारों की प्रतियाँ लेने और उनसे उत्तर, यदि कोई हों, देने का अनुरोध किया गया;
- (घ) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों एवं तर्कों के अगोपनीय विवरण वाली एक सार्वजनिक फाईल, सभी हितबद्ध पार्टियों के लिए उपलब्ध कराई।
- (ङ) याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों पर इन जांच परिणामों में उचित कार्रवाई की गई; 6 नवम्बर, 2003 को प्राधिकारी द्वारा आयोजित मौखिक सुनवाई में घरेलू उद्योग और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत लिखित अनुरोध एवं उत्तरों पर अंतिम निर्धारण करने की दृष्टि से गुण-दोष के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- (च) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से यह अनुरोध किया गया था कि वह संबद्ध माल के आयतों का ब्यौरा प्रदान करे। डी जी सी आई एस से भी अनुरोध किया गया था कि वह प्रविष्टि संख्या एवं तारीखों के बिल, मूल देश, आयातित संबद्ध माल का विवरण, आयात की मात्रा एवं मूल्य और आयातकों के नाम एवं उनके पत्तों सहित जांच अवधि के दौरान उक्त वस्तु के भारत में सौदे-वार आयात के ब्यौरे प्रदान करे।
- (छ) पाटन की जांच एवं क्षति के लिए 1 अप्रैल, 2002 से 31 दिसम्बर, 2002 (9 महीने) की अवधि शामिल है जिसे "जांच की अवधि" अथवा "पीओआई" कहा गया है। क्षति के विश्लेषण के लिए संगत रूझानों की जांच हेतु वर्ष 1999-2000 से जांच अवधि (क्षति विश्लेषण अवधि) शामिल है।
- (ज) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रतिनियुक्त एक दल द्वारा मैसर्स सैमसंग फाइन कैमिकल्स कं० के संयंत्र परिसर का मौके पर सत्यापन कार्य पूरा करने के पश्चात् सत्यापन रिपोर्ट की एक गोपनीय प्रति उसे अग्रेषित की गयी थी और

उससे प्राप्त उत्तर पर प्रकटन विवरण एवं इस जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है ।

- (झ) उपर्युक्त नियम 16 के अनुसार, इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार से ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को अवगत कराया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है । कोरिया गणराज्य के निर्यातक मैसर्स सैमसंग फाइन कैमिकल्स कं० से प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है ।
- (य.) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सम्पूर्ण रूप से प्रलेखित एक आवेदन के आधार पर, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य मूल्य के अथवा वहां से निर्यातित मेथिलीन क्लोराइड के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच के बारे में 19 फरवरी, 2003 की अधिसूचना सं० 14/52/2002-डीजीएडी द्वारा इस जांच शुरुआत अधिसूचित की थी । जांच पूरी करने के लिए समय सीमा छः महीने अर्थात् 18.08.2004 तक बढ़ाई गई थी ।
- (ट) \*\*\* इस अधिसूचना में गोपनीय आधार पर हितबद्ध पार्टी द्वारा प्रस्तुत सूचना को प्रदर्शित करता है और इसकी गोपनीयता से संतुष्ट होकर प्राधिकारी द्वारा इसे नियमानुसार ऐसा ही माना है ।

#### ख. विचाराधीन उत्पाद

2. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद मेथिलीन क्लोराइड (एम सी एल ) है । मेथिलीन क्लोराइड घुलनशील क्लोरोमेथेन परिवार का एक घुलनशील पदार्थ है। मेथिलीन क्लोराइड एक रंगहीन, क्लोरोफॉर्म जैसी गंध वाला वाष्पशील द्रव पदार्थ है । मेथिलीन क्लोराइड का रासायनिक सूत्र  $\text{CH}_2\text{Cl}_2$  है । मेथिलीन क्लोराइड के उत्पादन की दो प्रौद्योगिकियां/प्रणालियां हैं और इन दोनों प्रणालियों द्वारा उत्पादित उत्पादों की एकसमान तकनीकी विशिष्टताएं हैं ।
3. मेथिलीन क्लोराइड के उत्पादन की दो प्रौद्योगिकियां हैं । इन्हें मूल कच्ची सामग्री के नाम से जाना जाता है जिनका उपयोग इन प्रौद्योगिकियों में किया जाता है, मेथेन प्रणाली, मेथनोल प्रणाली । यद्यपि मेथिलीन क्लोराइड का

उत्पादन दो भिन्न भिन्न प्रौद्योगिकियों के जरिए भी किया जा सकता है तथापि इन दोनों प्रणालियों द्वारा उत्पादित उत्पाद में एक समान तकनीकी विशिष्टताएं अवश्य हैं। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी अथवा उत्पादन प्रणाली में अंतर होने से उत्पाद में भिन्नता नहीं आती है।

4. मेथिलीन क्लोराइड का उपयोग फोटो फिल्मों, बल्क औषधियों और भेषज उद्योगों में किया जाता है। इसका उपयोग फोम, रेजिन ढलाई, प्रधूमन एवं कृषि रसायन के निर्माण में भी किया जाता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से रोगन अपसारक के रूप में किया जाता है।
5. मेथिलीन क्लोराइड का वर्गीकरण सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2903.12 और आईटीसी (एचएस) कोड के 29031200 के अंतर्गत वर्गीकृत है।
6. तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

ग. समान वस्तु

7. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि "समान वस्तु" का तात्पर्य एक ऐसी वस्तु से है जो सभी प्रकार से विचाराधीन उत्पाद के सदृश्य एक समान है अथवा ऐसी वस्तु से के अभाव में दूसरी वस्तु जिसकी विशेषताएं जांचाधीन से बहुत अधिक मिलती-जुलती वस्तु हों।
8. यह प्रमाणित करने के लिए कि मेथिलीन क्लोराइड कोरिया गणराज्य से निर्यातित वस्तु के समान एक वस्तु है, प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विशिष्टताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं प्रयोगों एवं टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है।
9. प्राधिकारी को यह भी मालूम हुआ है कि यह विवाद करने के लिए कोई तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मेथिलीन क्लोराइड में आयातित सामग्री से मिलती-जुलती विशेषताएं हैं और यह वाणिज्यिक एवं तकनीकी रूप से संबद्ध देश से आयातित मेथिलीन क्लोराइड का प्रतिस्थापनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा

उत्पादित मेथिलीन क्लोराइड को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर कोरिया गणराज्य से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है ।

### घ. घरेलू उद्योग

10. याचिका मैसर्स गुजरात ऐल्कलीज एवं कैमिकल्स लि०, वडोदरा द्वारा दायर की गई है । याचिका में यह कहा गया है कि भारत में मेथिलीन क्लोराइड की निम्नलिखित उत्पादक कंपनियां हैं -

- (क) मैसर्स गुजरात ऐल्कलीज एवं कैमिकल्स लि०, वडोदरा
- (ख) मैसर्स कैम्प्लास्ट सनमार, चेन्नई
- (ग) मैसर्स एस आर एफ लिमिटेड, मुंबई

11. मै० केम्प्लास्ट सनमार, चेन्नई ने आवेदन का समर्थन किया है । वर्ष 1998-99, 1999-2000, 2000-2001 एवं 2001-2002 के दौरान संबद्ध वस्तु का भारतीय उत्पादन निम्नानुसार था:-

उत्पादक	1999-2000	2000-2001	2001-2002	मात्रा: (मी.टन)	
				जांच अवधि (अप्रैल- दिस., 2002 - 9 महीने)	जांच अवधि (वार्षिकी -कृत)
गुजरात अलकाली- याचिकाकर्ता	8721	9559	8975	6727	8969
केम्प्लास्ट सनमार- समर्थक	14142	15518	15444	11803	15737
जीएसीएल + केम्प्लास्ट	22863	25077	24419	18530	24706
एसआरएफ लि०	3266	6661	7244	3724	4965

भारतीय उत्पादन	26129	31738	31663	22254	29671
जीएसीएल का हिस्सा	33.38%	30.12%	28.35%	30.23%	30.23%
जीएसीएल का हिस्सा + केमप्लास्ट	87.50%	79.01%	77.12%	83.26%	83.26%

12. आवेदक का जांच अवधि में हुए कुल उत्पादन का 30.23% हिस्सा बनता है एवं जांच अवधि में हुए कुल भारतीय उत्पादन का 83.26% हिस्सा आवेदकों और समर्थकों का है। अतः आवेदक, आवेदन प्रस्तुत करने की स्थिति में है और घरेलू उद्योग बन जाते हैं।

**ड. आयातकों द्वारा किए गए निवेदन**

13. आयातक/उपभोक्ता उद्योग द्वारा आयातक प्रश्नावली का कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया है।

**च. पाटन**

**उद्गम के देश में संबद्ध वस्तु के निर्यातक एवं उत्पादक**

14. प्राधिकारी ने धारा 9क(1) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। मै0 सैमसंग फाइन केमिकल्स कं0 लि0, 19वां तल, नामदेमन बिल्डिंग 25,1 का बांग्रे-डाँग, चुंग-कू, सिओल, कोरिया (100-161) ने प्राधिकारी द्वारा उन्हें प्रेषित आयातक प्रश्नावली के उत्तर में दी गयी सूचना द्वारा अपना जवाब प्रस्तुत किया।

**मै0 सैमसंग फाइन केमिकल्स द्वारा किए गए निवेदन:**

- (i) शुल्क वापसी का समायोजन निर्यात कीमत गणना में किया जाना चाहिए - शुल्क वापसी का समायोजन निर्यात के देश में बेचे जाने वाले और भारतीय बाजार में बेची हुई पण्य वस्तुओं के उत्पादन में भी प्रयोग

किये गये विदेशी जैसे उत्पाद के उत्पादन में प्रयुक्त सामग्रियों के साथ सहबद्ध निर्यातक देश के आयात शुल्कों को संतुलित करने के लिए आवश्यक है क्योंकि इस शुल्क से घरेलू कीमत निर्यात कीमत से अधिक हो जाती है, इसलिए इस अन्तर को निर्यात कीमत में जोड़कर अथवा घरेलू कीमत से घटाकर समायोजित किया जाना चाहिए ।

- (ii) कोरियाई वोन में किये गये खर्च को परिशिष्ट 2 में सूचित बिक्री की तारीख को विदेशी मुद्रा दरों द्वारा डालर मूल्य में परिवर्तित किया जाना चाहिए ।
- (iii) प्रत्येक चैनल के लिए पाटन मार्जिन की गणना परिशिष्ट 2 में यथासूचित प्रत्येक चैनल में किये गये खर्च के आधार पर किया जाना चाहिए ।
- (iv) आवेदक ने यह आरोप लगाया है कि निर्यातक द्वारा दावा किये गये उत्पादन की लागत सामान्य तौर पर स्वीकार्य लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप मालूम नहीं होती । तथाकथित विसंगति के लिए आवेदकों द्वारा प्रस्तुत समर्थकारी अकेला साक्ष्य का तथ्य यह था कि उत्तर में उल्लिखित एसएफसी की " कोरियाई जीएएपी के अनुसार" कुछ ब्याज को पूंजी में शामिल कर लिया जाए । सामान्यतः ब्याज का खर्च देयता से निर्माण अवधि के दौरान दिया जाता है जो सुविधा के साथ सीधे संबंधित है, ब्याज खर्च को वर्तमान खर्च के रूप में मानने के बजाय पूंजी में शामिल किया जाना चाहिए । अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानक 23 में ब्याज को पूंजी में शामिल करने की गुंजाइश और पद्धति की परिभाषा की गयी है और कोरियाई जीएएपी इस अनुदेश के पूर्णतः अनुरूप है ।

### घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

- (i) संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल में प्राकृतिक गैस, क्लोरीन गैस, गंधक का तेजाब, कास्टिक सोडा, स्टेब्लाइजर एवं अन्य वस्तुएं शामिल हैं । निर्यातक ने इनमें से किसी भी कच्चे माल का आयात नहीं किया गया होना चाहिए । यह मालूम नहीं हुआ कि निर्यातक ने निर्यातों पर शुल्क वापसी का दावा कैसे किया है ।

- (ii) निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि विनिमय की दर बिक्री की तारीख की मानी जानी चाहिए। तथापि, यदि विनिमय दर में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा हो तो उसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है।
- (iii) सैमसंग ने कहा है कि खर्चों पर चैनल-वार विचार किया जाना चाहिए। उसी समय, लिखित निवेदनों से यह मालूम होता है कि निर्यातक ने स्वयं सभी चैनलों के लिए संयुक्त आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

15. निर्यातक द्वारा उपर्युक्त 2.1 के (i) पर किए गए निवेदनों के संबंध में निर्यातक द्वारा सहमत रिपोर्ट की जांच में प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि निर्यातक मै0 सैमसंग फाइन केमिकल्स आयातित माल के निर्यात की प्रक्रिया के लिए शुल्क वापसी के संबंध में कोई उपयुक्त स्पष्टीकरण/दस्तावेज प्रदान करने में असमर्थ रहे हैं इसलिए यह प्रस्ताव किया गया है कि इस समायोजन को अस्वीकृत कर दिया जाए। निर्यातक ने इस अभिमत का कोई विरोध नहीं किया है। (ii) के संबंध में प्राधिकारी ने यू एस डालर के लिए \*\*\* के आर डब्ल्यू की विनिमय दर को अपनाया है। उपर्युक्त बिन्दु (iii) के संबंध में, प्रारंभिक जांच परिणामों में उल्लिखित चैनलवार निर्यात के अनुसार पाटन मार्जिन का परिकलन किया गया है। उपर्युक्त बिन्दु (iv) के संबंध में, निर्यातकों के तर्क को अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानकों और कोरियाई जीएएपी के अनुरूप स्वीकार किया गया है।

### सामान्य कीमत और निर्यात मूल्य का निर्धारण

#### सामान्य कीमत

#### मै0 सैमसंग फाइन केमिकल्स कं0 लि0

16. एमसीएल-बल्क की उत्पादन लागत \*\*\* केआरडब्ल्यू प्रति मी.टन होने का सत्यापन किया गया था। इसके मुकाबले एमसीएल बल्क की भारित औसत बिक्री कीमत \*\*\* केआरडब्ल्यू प्रति मी.टन थी। प्रकटन विवरण में प्राधिकारी



ने एमसीएल-बल्क का कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य \*\*\* केआरडब्ल्यू प्रति मी.टन सूचित किया, जिसकी सहयोगी निर्यातक द्वारा पुष्टि की गई थी।

17. प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातकों ने यह बताया है कि एमसीएल-बल्क और एमसीएल-पैकड का उपयोग अलग-अलग क्षेत्रों में होता है और उसी एमसीएल उत्पाद के लिए ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप अलग-अलग कीमत एवं विपणन नीति की जरूरत होती है। इसके अलावा एमसीएल-बल्क और एमसीएल-पैकड के विवरण के ज्ञातव्य अलग-अलग माध्यम हैं। एसएफसी ने बताया है कि एमसीएल-पैकड की कीमत नीति एमसीएल-बल्क की तुलना में अधिक आक्रामक है। एसएफसी के तर्कों की सावधानीपूर्वक जांच की गई है। सूचना के विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी एमसीएल-पैकड का सामान्य मूल्य \*\*\* केआरडब्ल्यू प्रति मी.टन होने की पुष्टि करते हैं जिसमें -ड्रम और कंटेनर शामिल हैं।
18. विचाराधीन उत्पाद मेथिलीन क्लोराइड है और उसकी बिक्री खुले अथवा ड्रमों/कंटेनरों के जरिए की जाती है। संबद्ध वस्तु का सांझा सामान्य मूल्य घरेलू बाजार में उनकी बिक्री को अपनाकर खुले अथवा ड्रमों/कंटेनरों में की गई बिक्री के लिए निकाला गया है। घरेलू बाजार में खुले एवं डिब्बाबंद स्वरूप में \*\*\* केआरडब्ल्यू मूल्य की \*\*\* मी.टन और \*\*\* केआरडब्ल्यू मूल्य की \*\*\* मी.टन की मात्रा की बिक्री की गई थी। अतः मैथिलीन क्लोराइड का भारित औसत सामान्य मूल्य \*\*\* केआरडब्ल्यू प्रति मी.टन ( \*\*\* अम.डा/मी.टन) बनता है।

### निर्यात कीमत

19. प्रारंभिक जांच परिणामों और प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक की परिशिष्ट II में किए गए उल्लेख के अनुसार जांच अवधि के दौरान निर्यातित एमसीएल बल्क की कुल मात्रा 2405 मी.टन (एसएफसी-610 मी.टन और सैमसंग कार्पोरेशन के जरिए एस एफ सी-1795 मी.टन) और एमसीएल पैकड की कुल मात्रा 1588.5 मी.टन है। एसएफसी द्वारा एक ही बीजक पर 610 मी.टन की सीधे बिक्री की गई है। एस एफ सी द्वारा अन्य सभी बीजकों पर शेष मात्रा की बिक्री सैमसंग कार्पो. के जरिए की गई है। अतः निर्यातित कुल मात्रा \*\*\*

केआरडब्ल्यू की 3993.5 मी.टन है। अतः भारत औसत निर्यात कीमत \*\*\* केआरडब्ल्यू प्रति मी.टन अथवा \*\*\* अम.डा./मी.टन बनती है।

**(क) सैमसंग कारपोरेशन के जरिये एसएफसी द्वारा एमसीएल बल्क का निर्यात**

प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को एम सी एल बल्क की कुल बिक्री \*\*\* केआरडब्ल्यू सी आई एफ के 2405 मी.टन की गई है। सैमसंग कारपोरेशन के जरिए एसएफसी द्वारा की गई बिक्री \*\*\* केआरडब्ल्यू अथवा \*\*\* मी.टन के सीआईएफ मूल्य के 1795 मी.टन की हुई है। प्रारंभिक जांच परिणामों में दिये गये व्यौरों के अनुसार समायोजनों( \*\*\* केआरडब्ल्यू/मी.टन) पर विचार करने के बाद एमसीएल बल्क की कारखाना निर्यात कीमत \*\*\* केआरडब्ल्यू अथवा \*\*\* अमरीकी डालर/मी.टन बनती है।

**(ख) एसएफसी द्वारा एमसीएल बल्क का निर्यात**

एसएफसी ने \*\*\* केआरडब्ल्यू अथवा \*\*\* केआरडब्ल्यू/मी.टन मूल्य के 610 मी.टन की बिक्री की है। ऋण (\*\*\* केआरडब्ल्यू/मी.टन), समुद्री बीमा(\*\*\*केआरडब्ल्यू/मी.टन) और इन्डेन्ट कमीशन \*\*\* केआरडब्ल्यू/मी.टन के लिए खर्चों को छोड़कर \*\*\* केआरडब्ल्यू के समायोजनों पर विचार करने के बाद बल्क उत्पाद के लिए एस एफ सी की कारखाना निर्यात कीमत \*\*\* केआरडब्ल्यू/मी.टन अथवा \*\*\* अमरीकी डालर/ मी.टन निर्धारित की जाती है।

विचाराधीन उत्पाद मैथिलीन क्लोराइड है। अतः एसएफसी द्वारा सीधे ही और सैमसंग के जरिए निर्यातों की भारत औसत निर्यात कीमत निकाली गई है। निर्यात कीमत \*\*\* केआरडब्ल्यू/मी.टन अथवा \*\*\* अमरीकी डालर/ मी.टन बनती है।

**(ग) एमसीएल के निर्यात-सैमसंग कार्पोरेशन के जरिए एसएफसी द्वारा पैक किया गया**

1588.5 मी. टन मात्रा को \*\*\* अमरीकी डालर/मी.टन के सीआईएफ मूल्य पर निर्यात किया गया है। पैकिंग के कारण \*\*\* के समायोजन का ब्यौरा दिया गया है क्योंकि एमसीएल (ड्रम) को ड्रम में पैक किया जाता है और पैकिंग लागत ड्रम की लागतों और पैकिंग में लगे श्रम का योग होती है; अंतर्देशीय भाड़ा \*\*\* केआरडब्ल्यू(अंतर्देशीय परिवहन के लिए जिसमें आमतौर पर ट्रक का प्रयोग होता है); बोर्ड पर एमसीएल ड्रम लादने के लिए लदान प्रभार \*\*\* केआरडब्ल्यू सुरक्षा जांच के लिए एमसीएल ड्रम की जांच हेतु सर्वेक्षण/जांच \*\*\* केआरडब्ल्यू; दलाली \*\*\* केआरडब्ल्यू(सीमा शुल्क अभिकर्ता का कमीशन); एफओबी के बाद के प्रभार भाड़ा \*\*\* केआरडब्ल्यू प्रभार जो नौवहन कंपनियों के विदेशी परिवहन के लिए अदा किया गया; ऋण - \*\*\* विदेशी विनिमय सौदों के लिए बैंकों को दिया गया कमीशन, इंडेंट कमीशन \*\*\* केआरडब्ल्यू अन्य \*\*\* केआरडब्ल्यू डाक छपाई आदि जैसे विविध व्यय। समायोजनों के कारण कुल लागत अ बनती है। अतः एमसीएल ड्रम के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* केआरडब्ल्यू/मी.टन या \*\*\* अमरीकी डालर/मी.टन बनती है।

**(घ) मथिलीन क्लोराइड की भारित औसत निर्यात कीमत**

विचाराधीन उत्पाद मैथिलीन क्लोराइड है और बिक्री बल्क अथवा ड्रमों/कंटेनरों के जरिए पैकड रूप में की जाती है। भारत में संबंधित बिक्री को अपनाकर बल्क अथवा ड्रम/कंटेनरों में की गई बिक्री के लिए सामान्य निर्यात कीमत निकाली गई है। बल्क और पैकड निर्यातों की कुल मात्रा \*\*\* केआरडब्ल्यू मूल्य की 3993.5 मी.टन है। भारित औसत कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* केआरडब्ल्यू/ मी.टन अथवा \*\*\* अमरीकी डालर/ मी.टन बनती है।

**(ड.) अन्य सभी असहयोगी निर्यातक/उत्पादक**

उपलब्ध आयात आंकड़ों से यह देखा गया है कि कुछेक सौदों को छोड़कर भारत को किए गए निर्यातों की समस्त मात्रा मै0 सैमसंग फाइन कैमिकल्स

लि० के लिए की गई है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार से सूचना की अनुपस्थिति में अवांशष्ट श्रेणी के लिए एक पृथक् पाटन मार्जिन परिकल्पित किया गया है।

### पाटन मार्जिन:

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले यथा उल्लिखित सिद्धांतों को अपनाकर संगत नीति का पालन किया है। ऊपर यथानिर्धारित कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्यों और निर्यात कीमतों के आधार पर प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य के सभी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिनों का आकलन किया है; जैसाकि नीचे तालिका में दिया गया है:-

देश	उत्पादक/निर्यातक	पाटन मार्जिन(%)
कोरिया गणराज्य	मै० सैमसंग फाइन केमिकल्स अथवा मै० सैमसंग कारपोरेशन के जरिए मै० सैमसंग फाइन केमिकल्स	11.49
कोरिया गणराज्य	अन्य सभी निर्यातक/उत्पादक	14.19

### छ. क्षति:

21. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के नियम 11 के अंतर्गत जब क्षति संबंधी निष्कर्षों पर पहुंचा जाता है तो, ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण में "सभी संगत तथ्यों जिसमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव शामिल है ...." पर विचार किया जाएगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में, यह जाँच करना

आवश्यक माना जाता है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत तुलना में कीमतों में भारी कटौती हुई है, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में भारी कमी करना या कीमतों में वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती ।

22. संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन और आयातों की मात्रा नियम 11 में निर्धारित सीमा से अधिक है ।
23. आयातित उत्पाद एवं घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद प्रतिस्थापनीय हैं और इन्हें भारत में तुलनीय बिक्री श्रृंखलाओं के जरिए उसी अवधि के दौरान बेचा गया है और घरेलू उत्पादक एवं निर्यातक इसी वर्ग के उपभोक्ताओं को समान वस्तु की बिक्री करते हैं ।
24. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति से संबंधित संकेतकों पर भी विचार किया है ।

क) आयातों की मात्रा

मात्रा: मी.टन

देश	1999-2000	2000-2001	2001-2002	अप्रैल से दिसंबर, 02 (जांच अवधि 9 माह)
कोरिया गणराज्य	---	508*	305*	1643* (डीजीसीआईएस द्वारा यथा सूचित) 3994 (एसएफसी द्वारा यथासूचित)
अन्य स्रोत	10381*	3347*	3068*	3239
कुल आयात	10381*	3854*	3373*	4802* (डीजीसीआईएण्ड एस पर विचार करते हुए ) (7233 एसएफसी पर विचार करते हुए)

\* डीजीसीआईएस द्वारा यथासूचित

25. डीजीसीआईएण्ड एस के सौदे-वार आंकड़ों में कोरिया गणराज्य से निर्यातित मात्रा 1643 मी.टन बतायी गई है। सहयोगी निर्यातक ने 3994 मी.टन मात्रा की सूचना प्रस्तुत की है जिसे निर्यातक के परिसर पर मौके पर सत्यापन में सत्यापित किया गया है। अतः सहयोगी निर्यातक द्वारा बतायी गई निर्यातित मात्रा पर विश्वास किया गया है और अंतिम जांच परिणामों के लिए इसे अपनाने का प्रस्ताव किया गया है।
26. डीजीसीआईएण्डएस के अनुसार वर्ष 2000-01, 2001-02 और जांच अवधि में कुल आयातों में कोरिया गणराज्य का हिस्सा क्रमशः 13.18%, 9.04% और 34.21% था। जांच अवधि में निर्यातक के आंकड़ों के अनुसार कुल आयातों में कोरिया गणराज्य का हिस्सा 55.22% था। इस प्रकार, कोरिया गणराज्य से हुए आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

(ख) मांग:

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि (अप्रैल- दिस., 2002 - 9 महीने)	जांच अवधि (वार्षिकी -कृत)
बिक्रियां					
भारतीय उद्योग की बिक्रियां	24152	30396	30818	22983	30644
जीएसीएल	8023	9414	8824	6815	9087
कैमप्लारस्ट	12822	14396	14546	10543	14057
एसआरएफ	3307	6586	7448	5625	7500
कुल आयात(मी. टन)	10382	3854	3373	7233	9644
आयात(कोरिया गणराज्य)	0	508	305	3994	5325

आयात(अन्य स्रोत)	10382	3347	3068	3239	4319
मांग	34534	34250	34191	30216	40288
मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा%(जीएस एल + कैमप्लास्ट)	60.36%	69.52%	68.35%	57.45%	57.45%
अन्य स्रोतों से हुए आयातों में हिस्सा %	30.06%	9.77%	8.97%	10.72%	10.72%
पाटित आयातों का हिस्सा%	0.00%	1.48%	0.89%	13.22%	13.22%
कुल उत्पादन(मीटन) (एसआरएफ सहित सभी कंपनियों)	26138	31738	31464	22254	29672
पाटित आयातों का हिस्सा%	0	1.60	0.97	17.95	17.95

27. मांग में वर्ष 1999-2000 में 34534 मी.टन से जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 40288 मी.टन की वृद्धि हुई है। मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 1999-2000 में 60.36% से घटकर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 57.45% रह गया है। पाटित आयातों का हिस्सा वर्ष 2000-01 में 1.48% से बढ़कर जांच अवधि में 13.22% हो गया है।

(ग) बाजार हिस्से में वास्तविक तथा संभावित कमी

28. बाजार हिस्से में परिवर्तनों को दर्शाने के लिए आंकड़ों को निम्नानुसार सरणीबद्ध किया गया है:-

		1999- 2000	2000- 2001	2001- 2002	जांच अवधि (अप्रैल- दिस., 2002 - 9 महीने)	जांच अवधि (वार्षिकी -कृत)
घरेलू उत्पादन(जीएसीएल + कैमप्लास्ट)	क	22863	25077	24419	18530	24706
पाटित आयात	ख	0	508	305	3994	5325
अन्य आयात	ग	10382	3347	3068	3239	4319
कुल(क+ ख+ ग+)	घ	33245	28932	27792	25763	34350
बाजार हिस्से में परिवर्तन						
घ में परिवर्तन			-4313	-1140		+6558
क में परिवर्तन			+ 2214	-658		+ 287
ख में परिवर्तन			508	-279		5020
ग में परिवर्तन			-7035	-279		1251
% बाजार हिस्सा						
घरेलू उत्पादन		68.78%	86.67%	87.86%	71.92%	71.92%
पाटित वस्तुएं		0.00%	1.75%	1.10%	15.54%	15.54%
अन्य आयात		31.22%	11.57%	11.04%	12.57%	12.57%

29. उपर्युक्त तालिका यह दर्शाती है कि संबद्ध वस्तु की घरेलू उपलब्धता में कुछ वर्षों से वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 3.14 प्रतिशत बिन्दु तक की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में पाटित आयातों के बाजार हिस्से में 13.79 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है और अन्य आयातों के बाजार हिस्से में 18.65% की गिरावट आई है। एसआरएफ के बाजार हिस्से में 4.63% की वृद्धि हुई है। अन्य आयातों द्वारा गंवाए गए बाजार हिस्से पर पाटित आयातों (13.79%) और एस आर एफ ने कब्जा कर लिया है।

(घ) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग



30. घरेलू उद्योग (एसआरएफ को छोड़कर) का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग निम्नानुसार थे:-

(मी.टन)	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि (वार्षिकी-कृत)
स्थापित क्षमता	22410	22410	22410	22410
उत्पादन	22863	25077	24419	24707
क्षमता उपयोग(%)	102.02	111.90	108.96	110.25

31. उपर्युक्त से यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई है।

(ड.) कीमत कटौती

32. आयातों के पहुंच मूल्य की घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से तुलना नीचे दर्शाई गई है:-

रूपए/मीटन

वर्ष	अप्रैल-दिस. 2002 (जांच अवधि)	
	बल्क	पैकड
भारित औसत बिक्री कीमत	***	***
आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत	***	***
कीमत कटौती(%)	5-15%	5-15%

भारित औसत बिक्री कीमत	***
भारित औसत पहुंच कीमत	***
कीमत कटौती(भारित कीमत)	5-15%

33. उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि थोक/पैक किए गए उत्पादों के लिए पर्याप्त कीमत कटौती जारी है जिससे घरेलू उद्योग को बाजार में कम आयात कीमतों के जवाब में संगत रूप से अपनी बिक्री कीमतों को कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा है ।
34. यह नोट किया गया है कि यद्यपि जांच अवधि में पिछले वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें बढ़ीं थीं, तथापि बिक्री कीमतों में वृद्धि उत्पादन की लागत की तुलना में कम रही थीं ।

(च) लाभप्रदता

(रु. प्रति मी.टन)

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	अप्रैल-दिस., 2002(जांच अवधि)	जांच अवधि (वार्षिकी-कृत)
<b>एमसीएल - थोक</b>					
उत्पादन की भारित औसत लागत (मी.टन)	100.00	117.48	108.06	131.86	131.86
भारित औसत बिक्री कीमत (मी.टन)	100.00	130.36	118.82	137.01	137.01
लाभ/हानि	-100.99	3.51	-7.02	-83.55	-83.55
<b>एमसीएल - पैक किया गया</b>					
उत्पादन की भारित औसत लागत (मी.टन)	100.00	115.38	108.02	128.21	128.21
भारित औसत बिक्री कीमत (मी.टन)	100.00	134.22	125.35	135.78	135.78

35. घरेलू उद्योग के निष्पादन में वर्ष 1999-00 तथा 2000-01 के मध्य काफी सुधार हुआ था । इसमें जांच अवधि में कमी आई । हालांकि उत्पादन की इकाई लागत तथा इकाई बिक्री कीमतों में वृद्धि हुई थी (वर्ष 2001-02 को छोड़कर, जब इसमें गिरावट आई थी) तथापि उत्पादन की इकाई लागत में वृद्धि, बिक्री कीमत में वृद्धि से अधिक रही थी । इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप लाभप्रदता में गिरावट आई थी ।

**(छ) अंतिम स्टॉक:**

36. घरेलू उद्योग की माल सूची निम्नानुसार रही है:-

				मात्रा: (मी.टन)
	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग का औसत स्टॉक	100.00	118.39	77.30	75.29

**(ज) नकद प्रवाह**

37. दोनों आवेदक कम्पनियां बहुउत्पाद कंपनियां हैं । घरेलू उद्योग बकी नकद प्रवाह संबंधी स्थिति, विचाराधीन उत्पाद से संबंधित नकद प्रवाह की स्थिति पर पाटन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एवं संगत मानदण्ड नहीं होगी।

**(झ) रोजगार तथा मजदूरी**

38. दोनों आवेदक कंपनियां बहुउत्पाद कंपनियां हैं । इसीलिए घरेलू उद्योग के रोजगार तथा मजदूरी पर पाटन का प्रभाव सीधे तौर पर स्पष्ट नहीं है । तथापि, घरेलू उद्योग ने विचारधीन उत्पाद के लिए नियुक्त किए गए कर्मचारियों की संख्या से संबंधित जानकारी पृथक् से उपलब्ध कराई है जिसमें पर्याप्ततः गिरावट प्रदर्शित है । इसके अलावा, विचाराधीन उत्पाद के लिए मजदूरी की

प्रासंगिकता की जांच की गई था तथा यह पाया गया कि उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी में भी वृद्धि हुई थी ।

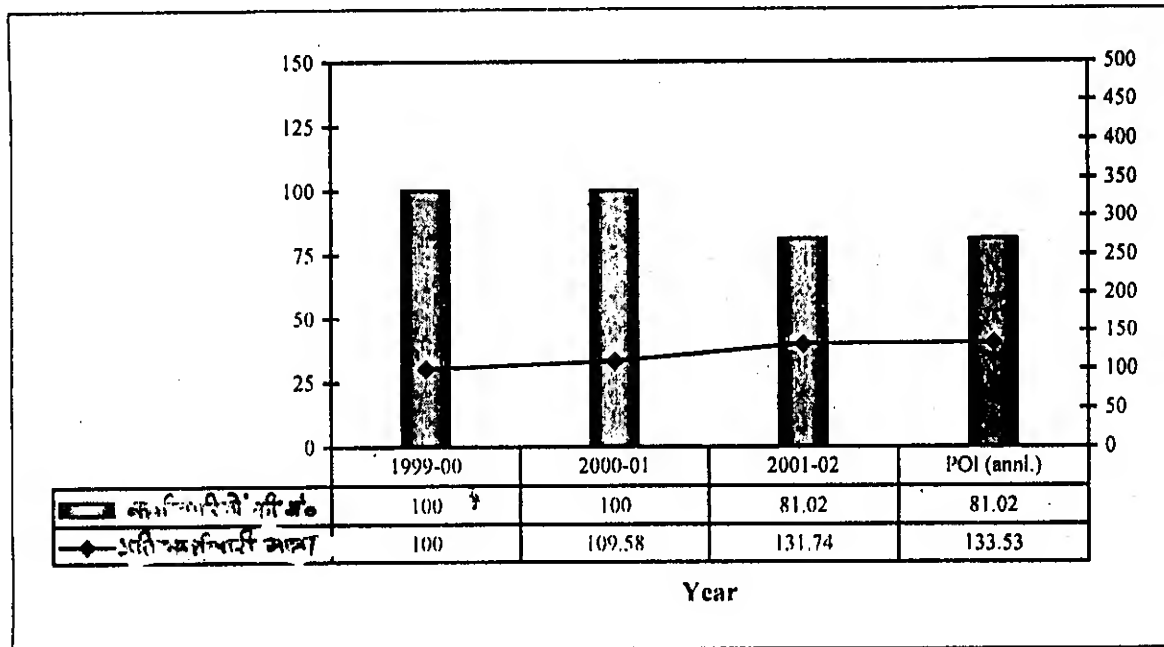
	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
कर्मचारियों की संख्या	100.00	100.00	81.02	81.02
मजदूरी लाख रूपए	100.00	127.80	101.46	148.78
उत्पादन(मी.टन)	100.00	109.68	106.81	108.07
मजदूरी प्रति मी.टन	100.00	116.50	94.98	137.5

(य.) उत्पादकता

39. समूची क्षति अवधि में एक ओर विचाराधीन उत्पाद के लिए लगाए गए व्यक्तियों की संख्या तथा दूसरी ओर उत्पादन में वृद्धि से उत्पादकता में पर्याप्त वृद्धि हुई थी । तथापि उत्पादकता में पर्याप्त वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वृद्धि नहीं हुई बल्कि गिरावट आई ।

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन(मी.टन)	100.00	109.68	106.81	108.07
कर्मचारियों की संख्या	100.00	100.00	81.02	81.02
प्रति कर्मचारी उत्पादन	100.00	109.58	131.74	133.53

40. इसे निम्नांकित ग्राफ में प्रदर्शित किया गया है:



(ट) वृद्धि

41. वर्ष 1999-00 तथा 2000-01 के बीच घरेलू उद्योग में सकारात्मक वृद्धि हुई थी। इन कंपनियों के बहुउत्पाद कंपनियां होने के कारण, वृद्धि के पहलू पर एक उत्पाद के प्रभाव को परिकलित नहीं किया जा सका।

(ठ) लगाई गई पूंजी पर आय

42. लगाई गई पूंजी पर आय की प्रति लाभप्रदता के समान रही थी, जबकि घरेलू उद्योग ने आगे और पूंजी का निवेश नहीं किया और न ही अपनी क्षमता में वृद्धि की। यहां तक कि लगाई गई पूंजी पर आय सकारात्मक थी परन्तु जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई। इसके अलावा लगाई गई पूंजी पर आय, ब्याज लागत तक को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय घाटा हुआ।

प्रतिशत में	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लगाई गई पूंजी पर आय	100.00	221.35	236.17	82.79

(ड) निवेश के लिए निधियाँ जुटाने की क्षमता:

43. याचिकाकर्ता कंपनियाँ बहु-उत्पाद कंपनियाँ हैं। इसीलिए इसका समूचा निष्पादन, जो कि निधियाँ जुटाने की इसकी क्षमता के आकलन के लिए अधिक प्रासंगिक है, संबद्ध वस्तु से भौतिक रूप से जुड़ा नहीं है।

(ढ) पाटन मार्जिन:

44. कोरिया जन गण से हुए आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक हैं।

क्षति संबंधी निष्कर्ष

45. उपयुक्त के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी अनंतिम जांच परिणाम के पैरा य में क्षति संबंधी निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं तथा दोहराते हैं कि:

- (क) संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है।
- (ख) आवेदकों के बाजार हिस्से में कमी आई है जबकि आयातों में वृद्धि हुई है।
- (ग) संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली में कटौती हुई है।
- (घ) घरेलू उद्योग को अपनी क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने को बाध्य होना पड़ा है।

46. इसीलिए प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है।

## ज. कारणात्मक संबंध

47. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (V) में उल्लिखित क्षति के निर्धारण के लिए सिद्धांतों के अनुसार प्राधिकारी ने इस बात की जांच की कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। पाटित आयातों से इतर अन्य ज्ञात कारकों जो घरेले उद्योग को साथ ही क्षति पहुंचा सकते, की भी यह सुनिश्चित करने के लिए जांच की गई कि इन अन्य कारकों द्वारा हुई संभावित क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं हुई थी।

### पाटित आयातों के प्रभाव

48. वर्ष 1999-00 तथा जांच अवधि के बीच पाटित आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि हुई थी तथा इनका घरेलू मांग में संगत हिस्सा 1.48% से 13.22% के बीच था। इसमें जांच अवधि के दौरान औसत आधार पर पर्याप्त कीमत कटौती (एमसीएल-बी के लिए लगभग \*\*\*0% तथा एम सी एल-पी के ए \*\*\*0%) जुड़ गई थी। घरेलू उद्योग को लाभप्रदता में गिरावट का सामना करना पड़ा जिसे क्षति विश्लेषण अवधि तथा जांच अवधि में बढ़ती मांग की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों पर न्यूनकारी दबाव पड़ा था। जबकि उत्पादन की इकाई लागत तथा इकाई बिक्री कीमतें बढ़ी थी (वर्ष 2001-02 को छोड़कर, जब इसमें गिरावट आई), उत्पादन की इकाई लागत में वृद्धि बिक्री कीमत में वृद्धि से अधिक थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप लाभप्रदता में गिरावट आई थी।
49. संबद्ध देश से आयात कीमतों से घरेलू उत्पाद की कीमतें कम हुई हैं जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिससे, परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग उभरने में अक्षम था। घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक संकेतकों पर पाटित आयातों के प्रभाव की इन जांच परिणामों में क्षति संबंधी खण्ड में जांच की गई है। इसलिए यह माना गया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के नकारात्मक प्रभाव के कारण हुई थी।

### अन्य कारकों के प्रभाव

50. पाटित आयातों से इतर किसी ज्ञात कारक, जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है, की जांच में अन्य तीसरे देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्राओं तथा कीमतों की जांच की गई थी। उपलब्ध सूचना के अनुसार कोरिया गणराज्य के अलावा तीसरे देशों के मूल के समान उत्पाद की कुल आयात मात्रा वर्ष 1999-2000 में लगभग 10382 मी.टन से कम होकर जांच अवधि (4319 मी.टन वार्षिक) में लगभग 3239 मी.टन हो गई और कुल आयातों में उनका हिस्सा वर्ष 1999-2000 में 100% से कम होकर जांच अवधि में 44.78% हो गया। तीसरे देशों से आयात आम तौर पर न्यूनतम स्तर पर हैं।
51. इसलिए अन्य देशों से हुए मेथाइलीन क्लोराइड के आयातों की मात्रा या तो न्यूनतम स्तर पर है या कीमतें काफी अधिक हैं। भारत में मेथेनोक्सीमेथेन क्लोराइड की मांग में कोई संकुचन नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हो सकती थी। वास्तव में मांग में बढ़ोतरी हुई है। घरेलू उद्योग द्वारा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धति नहीं अपनायी गई है जिसे प्राधिकारी के ध्यान में लाया गया हो और जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती थी। प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचती। भारतीय उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियाँ क्षति का कारण मालूम नहीं होती हैं क्योंकि दोनों कंपनियों, जो घरेलू उद्योग का एक हिस्सा हैं, ने अपने कार्य-निष्पादन में समान प्रवृत्तियाँ प्रदर्शित की हैं। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है। अतः उत्पादकता में कमी से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंच सकती थी। घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य-निष्पादन में वास्तविक रूप से कमी नहीं आयी है।
52. प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध देश जो भारत को मेथाइलीन क्लोराइड का एक प्रमुख निर्यातक है, से आयातों के कारण हुई है। संबद्ध वस्तुएं पहले बढ़ी हुई मात्राओं में बेची जा रही थी। उसके पश्चात यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका और सिंगापुर के निर्यातकों ने भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन करना आरंभ कर दिया। इन स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के परिणामस्वरूप इन देशों से होने वाले आयातों में कमी आयी और कोरिया गणराज्य से पाटित आयातों में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से मेथाइलीन क्लोराइड के आयातों की मात्रा तथा मूल्य या तो न्यूनतम स्तर पर हैं या कीमतें काफी अधिक हैं या इन स्रोतों पर अब



पाटनरोधी शुल्क लगा है। यद्यपि मांग से घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 1999-2000 में 60.36% से कम होकर जांच अवधि में 57.45% हो गया है लेकिन पाटित आयातों का हिस्सा वर्ष 1999-2000 में 0.00% से बढ़कर जांच अवधि में 13.22% हो गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश की आयात कीमतों से घरेलू उत्पाद की कीमतें कम हुई हैं जिसके कारण घरेलू उद्योग को अपनी क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उभरने में सक्षम नहीं था। इसलिए घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई थी।

**लगाया गया पाटन-रोधी शुल्क:-**

53. प्राधिकारी ने मेथाइलीन क्लोराइड के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया है और पाटन मार्जिन के समान या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की अनुशंसा की है जिसे यदि लगाया जाता है तो इससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर होगी। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की है।

झ. निष्कर्ष

54. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:-

- (क) कोरिया गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित मेथाइलीन क्लोराइड का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) वास्तविक क्षति संबद्ध देश से आयातों के कारण हुई है।

55. प्राधिकारी सीमाशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2903.12 तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की आईटीसी (एचएस) कोड के 29031200 के अंतर्गत वर्गीकृत कोरिया गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित मेथाइलीन क्लोराइड के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा करते हैं। पाटन-रोधी शुल्क कॉलम 9 में उल्लिखित राशि होगा।

क्र.स.	उप-शीर्ष अथवा टैरिफ मद	माल का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2903.12	मेथाइलीन क्लोराइड	बल्क/पैकड	कोरिया गणराज्य	कोई	सैमसंग फाइन केमिकल्स	सैमसंग कारपो-रेशन	34.45	मी.टन	अम. डा.
2	2903.12	मेथाइलीन क्लोराइड	बल्क/पैकड	कोरिया गणराज्य	कोई	सैमसंग फाइन केमिकल्स	कोई	34.43	मी.टन	अम. डा.
3	2903.12	मेथाइलीन क्लोराइड	बल्क/पैकड	कोरिया गणराज्य	कोई	कोई	सैमसंग कारपो-रेशन	34.49	मी.टन	अम. डा.
4	2903.12	मेथाइलीन क्लोराइड	बल्क/पैकड	कोरिया गणराज्य	कोई	कोई	कोई	42.42	मी.टन	अम. डा.
5	2903.12	मेथाइलीन क्लोराइड	बल्क/पैकड	कोई	कोरिया गणराज्य	कोई	कोई	42.42	मी.टन	अम. डा.

56. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी शुल्क होंगे।

57. उपयुक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 26 जून, 2003 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

58. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th August, 2004

**Final Findings**

**Subject :—Anti-Dumping investigations concerning imports of Methylene Chloride originating in or exported from Korea RP.**

**No. 14/52/2002/DGAD.—** Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof:

**A. PROCEDURE**

1. The procedure described below has been followed subsequent to the subsequent to the preliminary findings:

- (a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide notification dated 26<sup>th</sup> June, 2003 with regard to anti-dumping investigations concerning imports of Methylene Chloride originating in or exported from Korea RP and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
- (b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the said findings within forty days from the date of the letter;
- (c) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 6<sup>th</sup> November 2003. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any.
- (d) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;
- (e) The arguments raised by the applicants and other interested parties have been appropriately dealt with in these findings; the written submissions and rejoinders submitted by the domestic industry and exporter in the oral hearing held by the Authority on 6th November 2003 have been considered by the Designated Authority on merits in order to arrive at a final determination.

- (f) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to provide details of imports of the subject goods. Request was also made to DGCIS, Kolkata to provide details of transaction-wise imports made in India of the said article during the period of investigation alongwith Bills of Entry numbers and dates, country of origin, description of the imported subject goods, volume and value of import and the names and addresses of the importers.
- (g) The investigation of dumping and injury covered the period from 1st April, 2002 to 31st December, 2002 (9 months) which is referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'. The examination of trends relevant for the analysis of injury covered the years from 1999-2000 to the period of investigation (injury analysis period).
- (h) A confidential copy of the verification report was forwarded to M/s Samsung Fine Chemicals Co.(SFC) after completion of the on-the-spot verification at their plant premises by a team deputed by the Designated Authority and the response received from M/s Samsung Fine Chemicals co. was duly considered in the disclosure statement and in this finding.
- (i) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, have been duly considered in these findings. Respective confidential versions were forwarded to the domestic industry and to M/s Samsung Fine Chemicals Co., the exporter from Korea RP. Comments received from the domestic industry and from M/s. Samsung Fine Chemicals Co. have been considered in these findings.
- (j) On the basis of a fully documented application submitted by the domestic industry, the Designated Authority notified the initiation of this investigation vide notification no. 14/52/2002-DGAD dated 19<sup>th</sup> February, 2003 with regard to anti-dumping investigations concerning imports of Methylene Chloride originating in or exported from Korea RP. The time for completion of investigations was extended by six months i.e., upto 18.08.2004.
- (k) \*\*\* In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority upon being satisfied as to its confidentiality, under the Rules.

## **B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

2. The product under investigation in the present case is Methylene Chloride (MCL). Methylene Chloride is a solvent belonging to the Chloromethane family of solvents. Methylene Chloride is a colorless, volatile liquid with a chloroform - like odour. The chemical formula of Methylene Chloride is CH<sub>2</sub>Cl<sub>2</sub>. There are two technologies/routes for the production of Methylene Chloride and the product produced through the two routes has similar technical specifications.

3. There are two technologies for production of Methylene Chloride. These are known by the basic raw material which is used in these technologies - Methane route and Methanol route. Even though Methylene Chloride can be produced through two distinctly different technology, the product produced through the two routes has essentially similar technical specifications. Thus, the difference in technology or production process does not result in different product.
4. Methylene Chloride is used in the photo films, bulk drugs and pharmaceutical industries. It is also consumed for manufacture of foam, resin casting, fumigants and agrochemical. It is mainly used as a paint stripper.
5. Methylene Chloride is classified under customs sub-heading 2903.12 of Chapter 29 of the Customs Tariff Act and 29031200 of the ITC (HS) Code.
6. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

#### **C. LIKE ARTICLE**

7. Rule 2(d) of the anti-dumping rules specifies that "Like Article" means an article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another Article, having characteristics closely resembling those of the article under examination.
8. In order to establish that Methylene Chloride is a Like Article to that exported from Korea RP, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.
9. The Authority also finds that there is no argument disputing that Methylene Chloride produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Methylene Chloride imported from the subject country both commercially and technically. Methylene Chloride produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from Korea RP within the meaning of Rule 2(d).

#### **D. Domestic Industry**

10. The application has been filed by M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd., Vadodara. The following companies are the producers of Methylene Chloride in India:-
  - (a) M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd., Vadodara
  - (b) M/s. Chemplast Sanmar, Chennai
  - (c) M/s. SRF Limited, Mumbai
11. M/s Chemplast Sanmar, Chennai has supported the application. The total Indian production of the subject goods during 1998-99, 1999-2000, 2000-2001 and 2001-2002 was as follows:

Qty : (MT)

Producer	1999-2000	2000-2001	2001-2002	POI (April-Dec, 2002 -9 months)	POI (Annualised)
Gujarat Alkali - applicant	8721	9559	8975	6727	8969
Chemplast Sanmar -Supporter	14142	15518	15444	11803	15737
GACL + Chemplast	22863	25077	24419	18530	24706
SRF Ltd.	3266	6661	7244	3724	4965
Indian production	26129	31738	31663	22254	29671
Share of GACL	33.38%	30.12%	28.35%	30.23%	30.23%
Share of GACL + Chemplast	87.50%	79.01%	77.12%	83.26%	83.26%

12. The applicant accounts for 30.23% of the total production in the POI and the applicant and the supporter account for 83.26% of the total Indian production in the POI. The applicants therefore satisfy the standing to file the application and constitute domestic industry.

**E. SUBMISSIONS MADE BY IMPORTERS:**

13. No response has been filed to the importers questionnaire by importers/consumer industry.

**F. DUMPING:-**

**Exporters and Producers of the Subject Goods in the Country of Origin:-**

14. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject country in terms of section 9 A (1). M/s Samsung Fine Chemicals Co. Ltd., 19<sup>th</sup> Floor, Namdaemun Bldg. 25,1 Ka Bongrae-Dong, Chung-Ku, Seoul, Korea (100-161) responded by way of furnishing information in response to the exporters questionnaire forwarded to them by the Authority.

**Submissions made by M/s Samsung Fine Chemical Co. (SFC):**

- (i) Duty Drawback should be adjusted in export price calculation. Duty drawback adjustment is necessary to offset the amount of exporting country import duties associated with materials used in the production of the foreign like product that is sold in the export country that are also used in the production of subject merchandise sold to the Indian market. As this duty makes the domestic price higher than export price, the difference should be adjusted either by adding to export price or by deducting from domestic price.
- (ii) Expense incurred in Korean Won should be converted into dollar value by foreign exchange rates for date of sale that are reported in Appendix 2.

- (iii) Dumping margin for each channel should be calculated based on expenses incurred in each channel as reported in Appendix 2.
- (iv) The applicant has alleged that the cost of production claimed by the exporter does not appear to be consistent with Generally Accepted Accounting Principles. The only supporting evidence provided by the applicants for the alleged inconsistency was the fact that SFC mentioned in its response that some interest is capitalised 'in accordance with Korean GAAP'. Generally, interest expense is recorded as non-operating expense. However, in case that interest expense is incurred during the construction period from the liability that is directly related with the facilities, interest expense should be capitalised rather than be recognised as current expense. International Accounting Standard 23 defines the scope and method for interest capitalisation and Korean GAAP is fully conformed to the instruction.

#### **Submissions made by Domestic Industry:**

- (i) Raw materials required for the production of the subject goods include, natural gas, chlorine gas, sulphuric acid, caustic soda, stabiliser and others. The exporter should have imported none of these raw materials. It is not understood how the exporter has claimed duty drawback on exports.
- (ii) The exporter has argued that the exchange rate should be considered on the date of sale. However, in case there is a wide fluctuation in exchange rate, the same cannot be allowed.
- (iii) Samsung has stated that the expenses should be considered channel wise. At the same time, it appears from the written submissions that the exporter itself has presented the data combined for all channels.

#### **Examination by the Authority**

15. In respect of the submissions made by the exporter at (i) of 2.1 above, the Authority has noted in the verification report agreed to by the exporter that M/s Samsung Fine Chemicals has not been able to provide adequate clarification/documents in respect of duty drawback for processing export of imported material and therefore it has been proposed that these adjustments be ignored. The exporter has not contested this observation. In respect of (ii), the Authority has adopted an exchange rate of \*\*\* KRW for USD. In respect of point (iii) above, dumping margins have been calculated as per channel-wise exports as elaborated in the preliminary findings. In respect of point (iv) above, the contentions of the exporter have been accepted being in line with the international accounting standards and Korean GAAP.

## **Assessment of Normal Value and Export Price**

### **Normal Value**

#### **M/s. Samsung Fine Chemicals Co. Ltd.**

16. The cost of production of MCL-Bulk was verified to be KRW \*\*\*/MT. As against this the weighted average selling price of MCL bulk was KRW \*\*\*/MT. In the disclosure, the Authority conveyed the ex-factory normal value for MCL-Bulk as KRW \*\*\*/MT which was confirmed by the cooperating exporter.
17. In response to the disclosure statement, the exporters have stated that the usage of MCL-Bulk and MCL-Packed is for different sectors and the same MCL product requires different pricing and marketing policy to suit the needs of customers. Further, MCL-Bulk and MCL-Packed have identifiable different channels of distribution. SFC has stated that the pricing policy for MCL-Packed is more aggressive than for MCL-Bulk. The contentions of SFC have been carefully examined. Based on the information analysed, the Authority confirms the normal value of KRW \*\*\*/MT for MCL-Packed which includes drums and containers.
18. The product under consideration is Methylene Chloride and the sales are either in bulk or through drums/containers. A common normal value for the subject goods has been arrived at for sales in bulk or drums/containers by adopting respective sales in the domestic market. A quantity of \*\*\* MT of a value of KRW \*\*\* and a quantity of \*\*\* MT of a value of KRW \*\*\* were sold in bulk and packed forms respectively in the domestic market. The weighted average normal value for Methylene Chloride is therefore KRW \*\*\*/MT. (USD \*\*\*/MT).

### **Export Price**

19. As noted in the preliminary findings and as given in Appendix II of the Exporter's response to the questionnaire, the total quantity of MCL bulk exported during the POI is 2405 MT (SFC-610 MT and SFC through Samsung Corporation -1795 MT) and that for MCL packed is 1588.5 MT. A quantity of 610 MT against a single invoice has been sold directly by SFC. The balance quantity against all other invoices has been sold by SFC through Samsung Corporation. The total quantity exported is therefore 3993.5 MT of a value of KRW\*\*\*. The weighted average export price is therefore KRW \*\*\*/MT or USD \*\*\*/MT.

#### **(a) Exports of MCL – Bulk by SFC through Samsung Corporation**

The Authority notes that the total sales of MCL Bulk to India is 2405 MT of a cif value of KRW\*\*\*. The sales made by SFC through Samsung Corp. is 1795 MT of a cif value of KRW \*\*\*or KRW \*\*\*/MT. After considering adjustments as detailed in the preliminary findings (KRW \*\*\*/MT) the ex-factory export price of MCL-Bulk works out to KRW \*\*\*or USD \*\*\*/MT.



**(b) Exports of MCL – Bulk by SFC**

SFC has sold a quantity of 610 MT of a value of KRW \*\*\* or KRW \*\*\*/MT. After considering adjustments of KRW \*\*\*excluding expenses on account of credit (KRW \*\*\*/MT), overseas insurance (KRW \*\*\*/MT) and indent commission (KRW \*\*\*/MT) the ex-factory export price of SFC for the bulk product is determined to be KRW \*\*\*/MT or USD \*\*\*/MT.

The product under consideration is Methylene Chloride. A weighted average export price for exports by SFC directly and through Samsung Corporation has therefore been worked out. The export price comes to KRW \*\*\*/MT or USD \*\*\*/MT.

**(c) Exports of MCL – packed by SFC through Samsung Corporation**

A quantity of 1588.5 MT has been exported for a cif value of KRW \*\*\*or KRW \*\*\*/MT. Adjustments have been given on account of packing - \*\*\*as MCL (drum) is packed into drums and the packing cost is the sum of drum costs and packing labour; inland freight \*\*\*KRW (for inland transportation normally using truck); loading charge - \*\*\*KRW for loading MCL drum on board; survey/investigation \*\*\*KRW for investigation of MCL drum for security check; brokerage \*\*\* KRW (customs agents commission); charges after fob are overseas freight \*\*\*KRW charges paid to shipping companies for overseas transportation; overseas insurance - \*\*\* KRW insurance for overseas transportation; credit - \*\*\*commissions paid to banks for fx transactions; indent commission \*\*\*KRW; others \*\*\* KRW miscellaneous expenses such as postage, printing etc. The total cost on account of adjustments is \*\*\*KRW. The ex-factory export price is therefore \*\*\*KRW/MT for MCL-drum or USD \*\*\*/MT.

**(d) Weighted average export price of Methylene Chloride**

The product under consideration is Methylene Chloride and the sales are either in bulk or in packed form through drums/containers. A common export price for sales in bulk or drums/containers has been arrived at by adopting respective sales to India. The total quantum of bulk and packed exports is 3993.5 MT of a value of KRW\*\*\*. The weighted average ex-factory export price comes to KRW \*\*\*/MT or USD \*\*\*/MT.

**(e) All other non-cooperating exporters/producers.**

From the import data available it is seen that barring few transactions, the entire quantum of exports to India is accounted for by M/s. Samsung Fine Chemicals Ltd. In the absence of information from any other interested party, a separate dumping margin for residuary category has been worked out.

**Dumping Margin:-****Examination by the Authority:-**

20. The Authority has followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the anti-dumping rules. Based on the ex-factory normal values and export prices as indicated above, the Authority assessed the dumping margins in case of all exporters from Korea RP as given in the table below:-

Country	Producer/Exporter	Dumping Margin (%)
Korea RP	M/s Samsung Fine Chemicals or M/s Samsung Fine Chemicals through Samsung Corp.	11.49
Korea RP	All other exporters / producers	14.19

**G. INJURY:-**

21. Under Rule 11, Annexure-II of the Anti-Dumping Rules, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such article..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
22. The margin of dumping and quantum of imports from the subject country are more than the limits prescribed in Rule 11.
23. The imported products and those produced domestically are interchangeable and were marketed in India during the same period through comparable sales channels and the domestic producers and exporters sell the like product to the same category of customers.
24. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules.

**a) Quantum of Imports**

Qty : MT

Countries	1999-2000	2000- 2001	2001- 2002	April to December, 02 ( 9 months POI)
Korea RP	---	508 *	305 *	1643 * (as reported by DGCIS) 3994 (as reported by SFC)
Other sources	10381 *	3347 *	3068 *	3239
Total imports	10381 *	3854 *	3373 *	4802 *(considering DGCIS) (7233 considering SFC exports)

\* As reported by DGCIS

25. DGCIS transaction-wise data has reported a quantity of 1643 MT exported from Korea RP. The co-operating exporter has reported a quantity of 3994 MT which was verified during the on-the-spot verification at the exporters premises. The quantity exported by the co-operating exporter has therefore been relied upon and is proposed to be adopted for the final findings.
26. The share of Korea RP in total imports was 13.18%, 9.04% and 34.21% respectively in 2000-2001, 2001-2002 and in the POI as per DGCIS. The share of Korea RP in total imports was 55.22% as per exporter's data in the POI. Imports have therefore increased in absolute terms from Korea RP.

**b) Demand :**

Qty: MT

	1999-00	2000-01	2001-02	April to December 2002 - (9 months POI)	POI (annualised)
Sales					
Sales of Indian Industry	24152	30396	30818	22983	30644
GACL	8023	9414	8824	6815	9087
Chemplast	12822	14396	14546	10543	14057
SRF	3307	6586	7448	5625	7500
Total Imports (MT)	10382	3854	3373	7233	9644
Imports (Korea RP)	0	508	305	3994	5325
Imports (Other sources)	10382	3347	3068	3239	4319
Demand	34534	34250	34191	30216	40288
Share of domestic industry (GACL + Chemplast) in Demand %	60.36%	69.52%	68.35%	57.45%	57.45%

Share of imports from other sources %	30.06%	9.77%	8.97%	10.72%	10.72%
Share of dumped imports %	0.00%	1.48%	0.89%	13.22%	13.22%
Total Production (MT) (all companies including SRF)	26138	31738	31464	22254	29672
Share of dumped imports %	0	1.60	0.97	17.95	17.95

27. There has been an increase in demand from 34534 MT in 1999-2000 to 40288 MT in the POI (annualised). The domestic industry's share in demand has decreased from 60.36% in 1999-2000 to 57.45% in the POI (annualised). Share of dumped imports has increased from 1.48% in 2000-01 to 13.22% in the POI.

**(c) Actual and Potential Decline in Market Share:**

28. To illustrate the changes in market share the data has been tabulated in the following way:

		1999-00	2000-01	2001-02	April to December 2002 - (9 months POI)	POI (annualised)
<b>Domestic Production (GACL + Chemplast)</b>	<b>A</b>	22863	25077	24419	18530	24706
Dumped Imports	<b>B</b>	0	508	305	3994	5325
Other Imports	<b>C</b>	10382	3347	3068	3239	4319
Total (A+B+C+)	<b>D</b>	33245	28932	27792	25763	34350
<b>Change in Market Share</b>						
Change in D			- 4313	-1140		+6558
Change in A			+2214	-658		+287
Change in B			508	-203		5020
Change in C			-7035	-279		1251
<b>%Share held by</b>						
Domestic production		68.78%	86.67%	87.86%	71.92%	71.92%
Dumped Goods		0.00%	1.75%	1.10%	15.54%	15.54%
Other Imports		31.22%	11.57%	11.04%	12.57%	12.57%

29. The above table shows that the domestic availability for the subject goods has increased over the years. The domestic industry market share has increased by 3.14 percentage points in the POI as compared to the base year. The market share of dumped imports increased by 13.79 percentage points over the same period and market share of other imports declined by 18.65%. SRF increased its market share by 4.63%. The market

share lost by other imports have been taken by dumped imports (13.79%) and by SRF (4.63%).

**(d) Production and Capacity Utilization**

30. The production and capacity utilization of the domestic industry (excluding SRF) were as follows:-

(MT)	1999-2000	2000-2001	2001-2002	POI (annualized)
Installed Capacity	22410	22410	22410	22410
Production	22863	25077	24419	24707
Capacity Utilization (%)	102.02	111.90	108.96	110.25

31. From the above, it is seen that production of domestic industry increased.

**(e) Price undercutting**

32. A comparison of landed price of imports with the net sales realization of the domestic industry is shown as follows:

Year	Rs/MT	
	Apr-Dec 2002 (POI)	
	Bulk	Packed
Wt. average Sales Realization	***	***
Wt. average Landed Price of Imports	***	***
Price undercutting (%)	5-15%	5-15%

Wt. average Sales Realisation	***
Wt. average landed price	***
Price undercutting (wt. average)	5-15%

33. It is evident from the above table that significant price undercutting exists for the bulk/packed product forcing the domestic industry to correspondingly reduce its selling prices to respond to the low import prices in the market.
34. It is noted that even though the selling prices of the domestic industry increased in the investigation period as compared to previous years, the increase in the selling price was less than the increase in the cost of production.

**(f) Profitability:-**

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	Apr-Dec 2002 (POI)	(Rs. per MT) POI (annualized)
<b>MCL -bulk</b>					
Wt. Ave. Cost of production (MT)	100.00	117.48	108.06	131.86	131.86
Wt. Ave. Selling price (MT)	100.00	130.36	118.82	137.01	137.01
Profit/loss	-100.00	3.51	-7.02	-83.55	-83.55
<b>MCL- packed</b>					
Wt. Ave. Cost of production (MT)	100.00	115.38	108.02	128.21	128.21
Wt. Ave. Selling price (MT)	100.00	134.22	125.35	135.78	135.78
Profit/loss	-100.00	109.50	98.97	-37.87	-37.87

35. The performance of the domestic industry improved significantly between 1999-00 and 2000-01. This deteriorated in the investigation period. While the unit cost of production and unit selling prices increased (except in 2001-02, when the same declined), the increase in unit cost of production was more than the increase in selling price. This directly resulted in decline in profitability.

**(g) Closing stocks:-**

36. Inventories with the domestic industry have been as follows:-

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	Qty : (MT) POI (annualized)
Average stocks with the domestic industry	100.00	118.39	77.30	75.29

**(h) Cash Flow**

37. Both the applicant companies are multi product companies. Cash flow situation of the domestic industry would not be a relevant parameter to assess the impact of dumping on the cash flow situation relating to the product under consideration.

**(i) Employment and Wages**

38. Both the applicant companies are multi product companies. Effect of dumping was, therefore, not directly visible on employment and wages of the domestic industry. However, the domestic industry provided separate information with regard to the number of employees employed on the product under consideration, which shows significant decline. Further, the incidence of wages on the product under consideration was examined and it was found that wages per unit of production also increased.

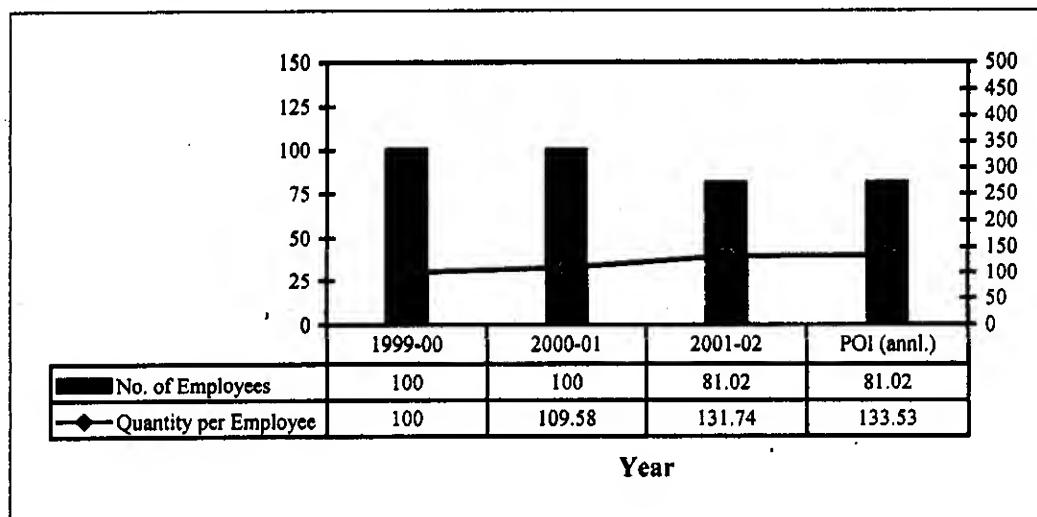
	1999-00	2000-01	2001-02	POI (annl.)
No. of employees	100.00	100.00	81.02	81.02
Wages Rs. Lacs	100.00	127.80	101.46	148.78
Production (MT)	100.00	109.68	106.81	108.07
Wage per MT	100.00	116.50	94.98	137.57

**(j) Productivity**

39. Decline in number of persons employed on the product under consideration on one hand and increase in production on the other hand over the entire injury period resulted in significant increase in productivity. However, in spite of significant increase in productivity, the profitability of the domestic industry did not improve but declined.

	1999-2000	2000-2001	2001-2002	POI (annualized)
Production (MT)	100.00	109.68	106.81	108.07
No of employees	100.00	100.00	81.02	81.02
Production per employee	100.00	109.58	131.74	133.53

40. This has been projected in the following graph:



**(k) Growth**

41. Domestic industry had positive growth between 1999-00 and 2000-01. These companies being multi-product, the impact of one product on the aspect of growth could not be worked out.

**(l) Return on capital employed**

42. Return on capital employed followed the same trend as that of profitability, given that the domestic industry has not invested further capital nor enhanced its capacity. Even though the return on capital employed was positive, the same declined over the period. Further, return on capital employed was inadequate to meet even the interest cost, resulting in financial losses.

<u>In percentage</u>	1999-2000	2000-2001	2001-2002	POI (annualized)
Return on capital employed	100.00	221.35	236.17	82.79

**(m) Ability to raise funds for investment**

43. The applicant companies are multi product companies. Therefore, its overall performance which is more relevant for assessing its ability to raise funds is not materially linked to the subject goods.

**(n) Dumping Margins**

44. Dumping margins in respect of imports from Korea RP are more than de-minimis.

**H. CONCLUSION ON INJURY**

45. In view of the foregoing the Authority confirms the conclusions on injury in Para J of the Provisional Findings and reiterates that:
- (a) the quantum of imports from the subject country has increased in absolute terms;
  - (b) the market share of the applicants has gone down while that of imports has increased;
  - (c) the subject imports have undercut the net sales realisation of the domestic industry;
  - (d) the domestic industry has been forced to sell at prices below their non-injurious price.
46. The Authority therefore concludes that the domestic industry has suffered material injury.



**I. CAUSAL LINK**

47. In accordance with the Principles for Determination of Injury set out in Annexure II (v) of the Anti-Dumping Rules, the Authority examined whether material injury has been caused to the domestic industry by dumped imports. Known factors other than the dumped imports, which could at the same time be injuring the domestic industry were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors were not attributed to the dumped imports.

**Effects of the dumped imports**

48. There was a significant increase in the volume of the dumped imports between 1999-00 and the period of investigation and its corresponding share of domestic demand from 1.48% to 13.22%. This was coupled with significant price undercutting (around \*\*\*% for MCL-B and \*\*\*% for MCL-P) on average basis during the POI). The domestic industry experienced a deterioration of profitability that has to be seen in the background of growing demand in the injury analysis period and the POI. Dumped imports exerted a downward pressure on domestic industry's selling prices. While the unit cost of production and unit selling prices increased (except in 2001-02, when the same declined), the increase in unit cost of production was more than the increase in selling price. This directly resulted in decline in profitability.
49. The import prices from the subject country have undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover from. The impact of dumped imports on the various economic indices of the domestic industry has been examined in the section on Injury in these findings. It is therefore considered that the material injury to the domestic industry was caused by the negative impact of dumped imports from the subject country.

**Effects of Other Factors**

50. In the examination of any known factors other than the dumped imports which at the same time, may be injuring the domestic industry, import volumes and prices of the subject goods from other third countries were examined. According to the available information, the total import volume of the like product originating in third countries other than Korea RP decreased from around 10382 MT in 1999-2000 to around 3239 MT in the POI (4319MT annl.) and their share in total imports decreased from 100% in 1999-2000 to 44.78 % in the POI. Imports from third countries are largely de-minimis or the prices are significantly higher.
51. There is no contraction in demand of Methylene Chloride in India which could have contributed to any injury to the domestic industry. In fact demand has increased There is no trade restrictive practice employed by the domestic industry brought to the knowledge of the Authority which could have resulted in injury to the domestic industry. There has not been any significant development in technology so as to cause

injury to the domestic industry. Conditions of competition amongst Indian producers does not appear to be a cause of injury, as both the companies forming part of the domestic industry have shown similar trends in their performance. The productivity of the domestic industry has increased. Decline in productivity could therefore, not have caused injury to the domestic industry. Export performance of the domestic industry has not materially declined.

52. The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the subject country that is a major exporter of Methylene Chloride to India. The subject goods were earlier being sold in increased volumes. Thereafter, exporters from the European Union, South Africa and Singapore started dumping the subject goods in the Indian market. Imposition of anti dumping duty on these sources resulted in decline in imports from these countries and significant increase in dumped imports from Korea RP. The Authority notes that the volume and value of imports of Methylene Chloride from other countries are either de-minimis or the prices are significantly higher or these sources are now attracting anti dumping duties.. While the domestic industry's share in demand has decreased from 60.36% in 1999- 2000 to 57.45 % in the POI, the share of dumped imports has increased from 0.00% in 1999-2000 to 13.22% in the POI. The Authority notes that import prices from the subject country have undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject country.

**Anti-Dumping duty imposed:-**

53. The Authority has carefully evaluated the injury caused to the domestic industry on account of dumping of Methylene Chloride and has recommended the amount of anti-dumping duty equivalent to the dumping margin or less, which if levied, would remove injury to the domestic industry. For this purpose, the Authority has compared the non-injurious selling price of the domestic industry with the landed value of imports from the subject country.

**J. CONCLUSION:-**

54. The Authority after considering the foregoing, concludes that:
- (a) Methylene Chloride originating in or exported from Korea RP has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
  - (b) the domestic industry has suffered material injury;
  - (c) material injury has been caused by imports from the subject country.
55. The Authority recommends imposition of definitive Anti-dumping duty on all imports of Methylene Chloride originating in or exported from Korea RP classified under customs sub-heading 2903.12 of Chapter 29 of the Customs Tariff Act and 2903.1200 of the ITC (HS) Code of the Customs Tariff Act. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col.9.

Sl. No	Sub-heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	2903.12	Methylene Chloride	Bulk / Packed	Korea RP	Any	Samsung Fine Chemicals	Samsung Corporation	34.43	MT	USD
2.	2903.12	Methylene Chloride	Bulk / Packed	Korea RP	Any	Samsung Fine Chemicals	Any	34.43	MT	USD
3.	2903.12	Methylene Chloride	Bulk / Packed	Korea RP	Any	Any	Samsung Corporation	34.43	MT	USD
4.	2903.12	Methylene Chloride	Bulk / Packed	Korea RP	Any	Any	Any	42.42	MT	USD
5.	2903.12	Methylene Chloride	Bulk / Packed	Any	Republic of Korea	Any	Any	42.42	MT	USD

56. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
57. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 26<sup>th</sup> June 2003.
58. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority